Revised Latest Edition

COURSE OF STUDY

VEER KUNWAR SINGH UNIVERSITY

B.A. PART-I

PASS & HONOURS COURSE

THREE YEAR INTEGRATED DEGREE COURSE
FROM SESSION ON WARD

Rs. 20/-

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

CONTENTS

B. A. PART – I

GENERAL, SUBUSIDIARY AND HONOURS

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी रचना (हिन्दी भाषियों के लिए)	 02
2.	हिन्दी रचना (अहिन्दी भाषियों के लिए)	 03
3.	प्रधान हिन्दी	 04
4.	हिन्दी प्रतिष्ठा	 06
5.	संस्कृत प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 07
6.	दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, साहयक	 08
7.	भूगोल प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 09
8.	राजनीतिशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 11
9.	इतिहास प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 15
10.	गृहविज्ञान प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 16
11.	प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 18
12.	मनोविज्ञान प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 19
13.	अर्थशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 22
14.	समाजशास्त्र प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 23
15.	English Honours, General Subsidiary	 25
16.	भोजपुरी प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 26
17.	Persian Honours, General, Subsidiary	 28
18.	Urdu Honours, General, Subsidiary, Urdu Composition	 29
19.	प्राकृत प्रतिष्ठा, सामान्य, सहायक	 31

■■■

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा B.A. Part-I

नये सत्र से प्रभावी

सामान्य हिन्दी (रचना-अनिवार्य)

कला/विज्ञान/वाणिज्य (सामान्य एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) पाठ्यपुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 3 = 45 अंक

(ख) पाठ्यपुस्तक से व्याख्यात्मक प्रश्न : 10 × 2 = 20 अंक

(ग) व्यावहारिक व्याकरण : = 20 अंक

अध्येतव्य अंश—मुहावरे, शब्द-वाक्य-शुद्धि, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थक शब्द, श्रुति सम भिन्नार्थक शब्द, लिंग-निर्णय।

(घ) **पत्र लेखन**—(आवेदन, कार्यालयीय पत्र अथवा समसामयिक समस्याओं के निवारणार्थ संबंधित पदाधिकारियों के नाम, राज्य के किसी भी दैनिक पत्र में सम्पादक के माध्यम से प्रेषित पत्र।) = 15 अंक

कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. **काव्यतारा** — सम्पादक डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित पाठ :

विद्यापति : (i) भलहर-भलहरि भलतुअ, कला ..... ओ नारायण ओ सूलपाणि
(ii) जय जय भैरवि असुर भयाउनि .... पुत्र बिसरि जनु माता,
(iii) नंदक नंदन कदंबक तरुतर ..... बन्दह नंद किशोरा,
(iv) देख देख राधा रूप अपार ..... अहो निसि कोर अगोरी।

कबीरदास — साखी – 1-20 तक।

सूरदास — बाल लीला के पद-जसोदा हरि पालने झुलावें, सोभित कर नवनीत लिए सिखवत चलन जसोदा मैया, प्रातः समय दधि पमयति जसोदा ..... सूर बलि-जाइ, कजरी को पय पिअहुँ लाल ..... सो सुखर उन न कढै, मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी, मैया मैं नहि माखन खायो, खेलन अब मेरी जाय बलैया, गये स्याम ग्वालिनि घर सुने।

तुलसीदास — रामचरितमानस-रामायतन-अयोध्याकाण्ड-दोहा सं॰- 125 से 131 तक।

बिहारी — सतसई-सार 1-20 दोहे तक।

माखन लाल चतुर्वेदी—कविता-नाश का त्यौहार, गंगा मांग रही है मस्तक, पुष्प की अभिलाषा।

जय शंकर 'प्रसाद'—बीती विभावरी जाग री, ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे-धीरे।

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'—सरस्वती-वन्दना, भिक्षुक, संध्या सुन्दरी।

सुमित्रानन्दन पंत — प्रथम रश्मि, नौका विहार।

महादेवी वर्मा — कौन पहुँचा देगा उस पार, पंथ होने दो अपरिचित, प्राण रहने दो अकेला, पुष्प-था कली के रूप शैशव में अहो सूखे सुमन।

रामधारी सिंह 'दिनकर'—किसको नमन करूँ।

अज्ञेय — साँप, सागर के किनारे।

नागार्जुन — कालिदास, हिम कुसुमों का चंचरीक।

मुक्तिबोध — दुरंतारा।

भवानी प्रसाद मिश्र— मंगल वर्षा।

धूमिल — गाँव।

2. **गद्य संचय** — सम्पादक—डॉ॰ राम विनोद सिंह
सम्पूर्ण-संकलित अंश।

3. **आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना** —
डॉ॰ वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

■

स्नातक खण्ड - 1

हिन्दी-रचना अनिवार्य (अहिन्दी भाषियों के लिए)

कला/विज्ञान/वाणिज्य

(सामान्य एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए)

समय : $1^1/_2$ घंटे] [पूर्णांक : 50

अंक विभाजन :

(क) वर्णनात्मक प्रश्न-काव्य से : 10 अंक

(ख) वर्णनात्मक प्रश्न-गद्य से : 10 अंक

(ग) व्याकरण : 10 अंक

(घ) दिये गये शब्दों से अर्थपूर्ण वाक्य लेखन : 05 अंक

(ङ) प्रकृति, पर्व, सामाजिक स्थिति, विज्ञान एवं राष्ट्र विषयक निबंध-लेखन। : 15 अंक

कुल = 50 अंक

निर्धारित ग्रन्थ :

1. **निबन्ध श्री** : सम्पादक-डॉ॰ परशुराम सिंह, श्री कृष्ण प्रकाशन, कतीरा, आरा। पाठसंख्या-प्रारम्भ से 10 पाठ तक।

2. **काव्य वाटिका** : सम्पादक-प्रोफेसर डॉ॰ रमेशचन्द्र मिश्र 'शिव', जय-भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
निर्धारित पाठ : कबीरदास साखी-1 से 10 तक।
साखी : 'प्रेम न बाड़ी उपजै', 'पोथी पढ़ि-पढ़ि', 'लाली मेरे लाल', 'जब मैं था', 'कहत सुनत', 'छिनहीं चढ़ै', 'पिया चाहै', 'गुरु धोबी', 'गुरु गोविन्द, 'तेरा साईं', 'पद-रहनानहिं देस बिराना है'।

3. **व्याकरण** :
रचनामानस : प्रोफेसर रामेश्वरनाथ तिवारी।
पठित अंश : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण, शब्द और शब्दार्थ, लिंग-निर्णय, मुहावरे, विपरीतार्थक शब्द।

4. **हिन्दी निबंध ग्रंथ** : निबंध भास्कर-डॉ॰ वचन देव कुमार, भारतीय भवन, पटना।

■

स्नातक खण्ड - 1

प्रधान हिन्दी

(कला के वैकल्पिक विषय के रूप में सहायक एवं सामान्य छात्रों के लिए)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यपुस्तकों से तीन प्रश्न	:	15 × 3 = 45 अंक
(ख) कवि अथवा लेखक परिचय—दो प्रश्न	:	10 × 2 = 20 अंक
(ग) सप्रसंग व्याख्या— (काव्य एवं नाटक से) दो प्रश्न	:	10 × 2 = 20 अंक
(घ) छंद, अलंकार, रस, परिचय एवं उदाहरण	:	5 × 3 = 15 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रन्थ :

1. **काव्य-रसनिधि :** सम्पादक डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी, जय भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्धारित पाठ :

विद्यापति : विरह—'सखि हे बालम जितब विदेसे', 'मधुबन मोहन गेलरे', 'लोचन धाए फेदाएल', 'के पतिआ लए जाएत रे', 'चानन भेल विषम सर रे।'

कबीरदास : प्रारम्भिक—20 दोहें।

1. 'चकई बिछुरी रैनिकी', 2. 'बांसुरी सुख नाँ रैनि सुख', 3. 'बिरह भुवंगम तन बसै', 4. 'अँखियन तौ झाँई परी', 5. कै बिरहिन कौं मीच दै', 6. 'परवत-परवत मैं फिरा', 7. 'पानी ही ते हिम भया', 8. 'आया था संसार में', 9. 'जब मैं था तब हरि नहीं', 10. 'कागद केरी नाँरी', 11. 'मना मनोरथ छाड़ि दें।', 12. 'जहाँ न चींटी चढ़ि सकै', 13. 'माया मुई न मन मुवा', 14. 'मन मथुरा दिल द्वारिका', 15. 'जाके मुँह माया नहीं', 16. 'मरते-मरते जग मुवा', 17. 'यह तन जारौं मसि करौं', 18. 'गुरु गोविंद दोउ', 19. 'पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा', 20. 'जल बीच कुम्भ, कुम्भ बीच जल है।'

सूरदास : पद-1. हमारे हरि हरित की लकरी, 2. साकी सीख सुनै बज कोरे ?, 3. ब्रजजन सकल स्याम वतधारी, 4. कोट बज बाँचत बाहिनं पाती, 5. बिन गोपाल बैरिन भई कुजै, 6. संदेसनि मधुवन कूप भरें, 7. उर में माखन चोर गड़ै, 8. ऊधो मत नहि हाँथ हमारे, 9. ऊधो मन माने की बात, 10. मधुकर! हम न होहि वे बेली।

तुलसीदास : रामचरितमानस से—नाम वंदना।

बिहारी : प्रारम्भिक—संकलित 20 दोहे—

1. मेरी भव बाधा हरौ, 2. सीस मुकुट कटि काछनी, 3. मोर मुकुट की चंद्रिकनी, 4. सोहत ओढ़े पीत पटु, 5. रनित भृंग घंटावली, 6. तो पर वारौं उरबसी, 7. अलि इन लोचन को कछु, 8. इन दुखिया अँखियान, 9. कहत सबै दिए, 10. तौ लगि या मन सदन में, 11. वतरस लालच लाल की, 12. तजि तीरथ हरि राधिका, 13. किती न गोकुलकुलवधु, 14. अधर धरत हरि के परत, 15. कहत सबै वेदी दिये, 16. नासा मोरि नचाय दृग, 17. चिरंजीवी जोरी जुरै, 18. मकराकृति गोपाल के, 19. कागज पर लिखत न बनत, 20. करले चूमि चढ़ाय सिर।

भारतेंदु हरिश्चन्द्र : यमुना-वर्णन।

माखन लाल चतुर्वेदी : जवानी

मैथिली शरण गुप्त : सखि, ने मुझसे कहकर जाते।

जयशंकर 'प्रसाद' : अरुण यह मधुमय देश हमारा।

निराला : विधवा, स्नेहनिर्झर।

पंत : मौन निमंत्रण, दूत झरो।

महादेवी वर्मा : दूर के संगीत सा वह कौन है! मैं नीर भरी दुःख की बदली, धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसंत रजनी।

जानकी वल्लभ शास्त्री : किसने बाँसुरी बजाई, मेघ गीत।

हरिवंश राय बच्चन : तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाये, स्वप्न में तुम हो तुम्ही हो जागरण में।

रामधारी सिंह 'दिनकर' : 'कुरुक्षेत्र' से युधिष्ठिर का पश्चाताप।

2. **प्रतिनिधि कहानियाँ** : सम्पादक—डॉ॰ राम प्यारे तिवारी एवं डॉ॰ नीरज सिंह।

निर्धारित पाठ : कफन—प्रेमचन्द, पुरस्कार—जयशंकर 'प्रसाद', ध्रुवयात्रा—जैनेन्द्र, परदा—यशपाल, परमात्मा का कुत्ता—मोहन राकेश, वापसी—उषा प्रियवदा, तबै एकला, चलो रे- फणीश्वरनाथ रेणु।

3. **ध्रुवस्वामिनी** : जयशंकर 'प्रसाद'

(i) छन्द परिचय : दोहा, चौपाई, रोला, उल्लाला, मतगयंद, मालिनी, शिखरिणी, मांकान्ता, कवित्त, सवैया, छप्पय, कुण्डालियाँ।

(ii) अलंकार परिचय : उपमा, रूपक, अपह्नुती, श्लेष, यमक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, विशेषोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, विभावना, प्रतीत, तुल्योगिता, दीपक।

(iii) रस तथा उसके भेद : परिचय।

अभिस्तावित ग्रन्थ :

(i) अलंकार, मुक्तावली—प्रोफेसर देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारतीय भवन, पटना।

(ii) छन्द प्रकाश—डॉ॰ यदुनंदन शास्त्री।

(iii) काव्य शास्त्र—डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

(iv) काव्यशास्त्र आद्यचरण—डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी।

(v) काव्य के रूप—डॉ॰ गुलाब राय।

■

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

त्रि-वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा में प्रथम-वर्ष में प्रथम एवं द्वितीय, द्वितीय वर्ष में तृतीय तथा चतुर्थ एवं तृतीय वर्ष से पंचम से लेकर अष्टम पत्र अर्थात् कुल मिलाकर हिन्दी प्रतिष्ठा स्नातक का परीक्षाफल संयुक्त रूप से मानक प्रतिशत के आधार पर हिन्दी-स्नातक प्रतिष्ठा में उत्तीर्णता का द्योतक होगा। साथ ही हिन्दी-रचना प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष तथा सहायक विषय के स्वरूप में प्रधान हिन्दी के पत्र प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए अलग से अपना मापदण्ड रखते हैं, तृतीय वर्ष में हिन्दी रचना के स्थान पर सामान्य अध्ययन है।

हिन्दी प्रतिष्ठा

प्रथम पत्र

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

निर्धारित पाठ्यांश :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास—आदिकाल तथा भक्तिकाल

(क) इतिहास ग्रंथ से दो प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य : 15 × 2 = 30 अंक

(ख) इतिहास के पठित अंश के किन्हीं दो कवियों अथवा कृतियों का परिचयात्मक अध्ययन : 10 × 2 = 20 अंक

2. भक्तिकाव्य-संग्रह-सम्पादक डॉ॰ नन्द किशोर तिवारी

प्रश्न-आधार

(i) आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 1 = 15 अंक

(ii) सप्रसंग व्याख्या : 10 × 2 = 20 अंक

(iii) वस्तुनिष्ठ प्रश्न अथवा टिप्पणी-लेखन (इतिहास के पठित अंश से) : 5 × 3 = 15 अंक

कुल = 50 अंक

अध्ययन हेतु निर्धारित पाठ :

विद्यापति, जायसी, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीरा, केशव-दास, नन्द-दास, रखखान।

द्वितीय पत्र

गद्य साहित्य

(उपन्यास, नाटक एवं कहानी)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

निर्धारित पाठ्यांश :

1. अंक विभाजन

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 3 = 45 अंक

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न : 10 × 3 = 30 अंक

(ग) साहित्य-विद्या-परिचय : 5 × 2 = 10 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 15 × 1 = 15 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

(क) **चित्रालेखा**—भगवतीशरण वर्मा।

(ख) **अजातशत्रु**—जयशंकर 'प्रसाद'।

(ग) **कथ्यान्तर**—डॉ॰ राम विनोद सिंह।

निर्धारित पाठ :

उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, जयदोल, रसप्रिय, अमृतसर आ गया।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. **हिन्दी उपन्यास**—डॉ॰ शिव नारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।

2. **हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास**—डॉ॰ दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली।
3. **कहानी** : नई कहानी डॉ॰ नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. **नाटककार जयशंकर 'प्रसाद'** : जयनाथ नलिन।
5. **अजातशत्रु : एक समीक्षा**—डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी, विनोद प्रकाशन, पटना।
6. **प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन**—डॉ॰ जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
7. **हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन**—गणेशन।
8. **कहानी आन्दोलन की भूमिका**—डॉ॰ बलराज पाण्डेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।

स्नातक खण्ड - 1 संस्कृत (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

महाकाव्य और गीतिकाव्य

निर्धारित पुस्तकें :

1. मेघदूतम्—पर्वमेघ।
2. किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग मात्र)
3. रघुवंशम्—त्रयोदश सर्ग मात्र।
4. कुमार संभवम् (पञ्चम सर्ग मात्र)।

आलोचनात्मक प्रश्न 4 : 13× 4 = 52 अंक, व्याख्या 2 : 10 × 2 = 20 अंक

अनुवाद—2 प्रत्येक से एक-एक अंक : 7 × 4 = 28 अंक = 100 अंक।

स्नातक खण्ड - 1 संस्कृत (प्रतिष्ठा)

द्वितीय पत्र

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

काव्य, इतिहास, व्याकरण :

1. (काव्य)—सौमित्रीसुन्दरीचरितम् (चतुर्थ एवं पंचम सर्ग) 20 अंक।

   प्रणेता—पं॰ भवानोदत्त शर्मा

   प्रकाशक—डॉ॰ उमेशदत्त पाण्डेय, स. वि. एव. डी. जैन कॉलेज, आरा।

   आलोचनात्मक प्रश्न—1, 12 अंक, श्लोक का अनुवाद—1, 08 अंक।

2. इतिहास—रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, गद्यकाव्य, चम्पू काव्यशास्त्र तथा स्रोत आलोचनात्मक प्रश्न : 15 × 2 = 30 अंक, टिप्पणी— चार अंक—5 × 4 = 20 अंक

3. **व्याकरण :** कारक प्रकरणम् (सिद्धान्त कौमुदी)—30 अंक

सहायक ग्रन्थम्, इतिहास के लिए :

(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास—नवीन संस्करण, आचार्य बलदेव उपाध्याय।

(ख) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन—डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी।

(ग) संस्कृत साहित्य की रूपरेखा—पाण्डे एवं व्यास।

स्नातक खंड-I संस्कृत (सामान्य एवं सहायक) (सबसीडियरी)

प्रथम पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. (क) गद्य—शिवराज विजय (प्रथम निःश्वास)—20 अंक
   अंक विभाजन = एक प्रश्न 12 अंक, एक अनुवाद 8 अंक
   (ख) पद्य—मेघदूत, पूर्वमेघ 40 श्लोक तक 30 अंक
   अंक विभाजन—एक प्रश्न 12 अंक, एक अनुवाद 8 अंक एक व्याख्या 10 अंक
   (ग) नाटक—(मालविकाग्निमित्रम्)—30 अंक
   अंक विभाजन—एक प्रश्न—12 अंक, एक अनुवाद—8 अंक एक व्याख्या—10 अंक
2. (क) वाक्य-रचना (कारक प्रक्रिया पर आधारित) 10 अंक
   (ख) संस्कृत में पत्र लेखन एक 10 अंक।

स्नातक खंड-I दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. भारतीय दर्शन का आधारभूत रूप
2. आस्तिक और नास्तिक की परिभाषा
3. चार्वाक—ज्ञानशास्त्र (Epistemology) नीतिशास्त्र (Ethics) सत्व विद्या (Ontology)
4. जैन—द्रव्य, जीव, बन्धन, मुक्ति, स्वाद्वाद
5. बुद्ध—चार आदर्श सत्य
6. न्याय—ज्ञान का स्रोत, ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण
7. वैषेशिक—सात श्रेणियाँ
8. सांख्य—सतकर्मवाद, उत्पत्ति, पुरुष और प्रकृति, बन्धन एवं मुक्ति
9. योग—अष्टांग मार्ग
10. मीमांसा—अपूर्व
11. वेदान्त—(A) शंकर, ब्राह्मण, विश्व, माया और आत्मा।
12. रामानुज—ब्रह्म और शंकर के मायावाद का खंडन

दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

तत्त्व मीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा :

1. **दर्शन का स्वरूप**—दर्शन का धर्म और विज्ञान से संबंध।
2. **तत्त्वमीमांसा सिद्धान्त**—भौतिकवाद, प्रत्ययवाद, अनुभववाद या तटस्थवाद, एकात्मवाद, द्वैतवाद, अनेकवाद।
3. **ज्ञान मीमांसा सिद्धान्त**—बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद, वस्तुवाद और प्रत्ययवाद।
4. **सृष्टिवाद और विकासवाद**—डार्विन का विकास सिद्धान्त।
5. **ईश्वर संबंधी सिद्धान्त**—अनेकेश्वरवाद, केवल निमितेश्वरवाद सर्वेश्वरवाद और ईश्वरवाद।

स्नातक खंड-I दर्शनशास्त्र (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्रथम-पत्र : भारतीय दर्शन

1. भारतीय दर्शन का आधारभूत रूप
2. आस्तिक और नास्तिक की परिभाषा
3. चार्वाक—ज्ञानशास्त्र (Epistemology) नीतिशास्त्र (Ethics) सत्त्व विद्या (Ontology)
4. जैन—द्रव्य, जीव, बन्धन, मुक्ति, स्यादवाद
5. वृद्ध—चार आदर्श सत्य
6. न्याय—ज्ञान का स्रोत, ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण
7. वैषेशिक—सात श्रेणियाँ
8. सांख्य—सतकर्मवाद, उत्पत्ति, पुरुष और प्रकृति, बन्धन एवं मुक्ति
9. योग—अष्टांग मार्ग (10) मीमांसा—अपूर्व
10. वेदान्त (A) शंकर, ब्राह्मण, विश्व, माया और आत्मा।
11. रामानुज—ब्रह्म और शंकर के मायावाद का खंडन।

स्नातक खंड-I दर्शनशास्त्र (सहायक)

भारतीय दर्शन

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. भारतीय दर्शन का मूलभूत विशेषताएँ।
2. आस्तिक और नास्तिक।
3. **चार्वाक**—ज्ञानशास्त्र और सत्व क्रिया।
4. **वृद्ध**—चार आदर्श साम।
5. **जैन**—स्याद्वाद, जीव, बन्धन और मुक्ति।
6. **सांख्य**—सत्कर्मवाद और विकास का सिद्धान्त।
7. **योग**—योग का अष्टांग मार्ग एवं ईश्वर का विचार।
8. **न्याय**—ज्ञान का स्रोत।
9. **वैशेषिक**—सात श्रेणियाँ।
10. **शंकर**—ब्रह्म सिद्धान्त, आत्मा एवं विश्व संबंधी विचार।
11. **रामानुज**—ब्रह्म और ब्रह्मवाद का खंडन।

स्नातक खंड-I भूगोल (प्रतिष्ठा)

[पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटा]

पाठ्यक्रम पाँच यूनिट से विभक्त है। प्रत्येक यूनिट में से दो प्रश्न निर्धारित है। प्रत्येक यूनिट में कम-से-कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल पाँच प्रश्नों का उत्तर छात्रों को देना है।

प्रथम-पत्र

भौतिक भूगोल

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

यूनिट 1. तारामंडल की उत्पत्ति Laplase Kant, Jeons Jeffery, Chamberlin और Moviten के सिद्धान्त पृथ्वी की आंतरिक बनावट। भूसतोल अथवा भूसतुलन पर प्रैट और एरी के विचार।

यूनिट 2. पर्वत की बनावट के संबंध में कोवर और होम्स का सिद्धान्त। वेगनर का महाद्विपीय प्रभाव सिद्धान्त। प्लेट विवर्तनिकी। वलय और भ्रशन द्वारा उत्पन्न स्थलाकृतियाँ।

यूनिट 3. सामान्य अपरदन चक्र, स्थल्य अति शुष्क व ऊसर, हिमनदीय, कार्स्ट एवं ज्वालामुखी स्थलाकृति।

यूनिट 4. वायुमंडल का संगठन एवं संरचना, वायराशियों का वर्गीकरण, घानवेट तथा कोपन का जलवायु-वर्गीकरण।

यूनिट 5. महासागरीय जल की लवणता, महाद्विपीय मग्न तट, ढाल तथा गंभीर सागरीय मैदान का निर्माण एवं विशेषताएँ। आन्ध्र तथा हिन्द महासागर के मितल उच्चावच, महासागरीय निक्षेप, प्रवाल भित्ति।

ग्रन्थ : भौतिक भूगोल—सविन्द्र सिंह।

भूगोल (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

एशिया-प्रादेशिक अध्ययन

इस पत्र में पाँच यूनिट है, प्रत्येक यूनिट से दो प्रश्न निर्धारित है। छात्रों को प्रत्येक यूनिट से कम-से-कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए पाँच प्रश्नों का उत्तर देना है।

यूनिट 1. संरचना, प्राकृतिक बनावट, जलवायु और प्राकृतिक वनस्पति।

यूनिट 2. खनिज एवं शक्ति संसाधन, जनसंख्या और उसकी समस्याएँ कृषी जलवायु क्षेत्र।

यूनिट 3. चीन—धरातलीय स्वरूप, कृषि, खनिज, औद्योगिक विकास, जनसंख्या

यूनिट 4. जापान—कृषि, मत्स्य, औद्यागिक विकास और क्षेत्र, जनसंख्या

यूनिट 5. भू-आकृति, जलवायु, कृषि उद्योग एवं जनसंख्या—नेपाल, बंगलादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका एवं इराक।

एशिया का भूगोल—मेमोरीया।

भूगोल प्रायोगिक

(प्रतिष्ठा) पत्र IB & IIB

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 50

पाठ्यक्रम में चार यूनिट है। प्रत्येक यूनिट में एक प्रश्न निर्धारित है। सभी प्रश्न के उत्तर दें।

Unit 1. Enlargement and reduction of Maps, cartograms—Bar, Tie, Dot, Bandgraph. 10 Marks

Unit 2. Interpretation of topographical Maps and watch map. 10 marks

Unit 3. Projection—cylindrical : equal area, Equidistant zenithal equal area, Equidistant conical ore, standard and two standard parallels. 15 Marks

Unit 4. Record of Practical work and Viva-voce. 15 Marks

भूगोल (सामान्य एवं सहायक)

प्रथम-पत्र

भौतिक और आर्थिक भूगोल

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

इस पत्र में 5 यूनिट है। प्रत्येक से 2 प्रश्न निर्धारित है। छात्रों को प्रत्येक से एक प्रश्न का उत्तर देना है।

यूनिट 1. भूसतोल अथवा भूसंतुलन, महाद्वीपीय सिद्धान्त, कोवर एवं होम का पर्वत निर्माण, सिद्धान्त, भूगर्भ की संरचना।

यूनिट 2. शुष्क एवं ऊसर, हिमानी कृत ज्वालामुखी, कार्स्ट स्थलाकृति, सामान्य अपरदन चक्र।

यूनिट 3. महासागरीय जल की लवणता, महासागरीय निक्षेप, प्रवाल भित्ति और प्रवाल द्वीप, कोपेन के जलवायु वर्गीकरण। जलवायु परिवर्तन का साक्ष्य, वायुराशियाँ।

यूनिट 4. कृषि—व्यावसायिक फसल, जीविका एवं दुग्ध उत्पादन। खनिज—कोयला, लोहा, पेट्रोलियम, इनका बँटवारा एवं उत्पादन।

यूनिट 5. उद्योग—लोहा एवं इस्पात उद्योग, सूती वस्त्र एवं चीनी उद्योग।

व्यापारिक मार्ग—उत्तरी अटलांटिक जलमार्ग, स्वेज नहर मार्ग।

भूगोल प्रायोगिक (सामान्य एवं सहायक)

PAPER-IB

Time : 3 Hours] [Full Marks : 25

There will be three units. One Questions from each unit will be set. Students will have to answer three questions.

Unit 1. Enlargement and reduction of maps. Cartograms—Compound bar, Proportionate, Pie-dot and Bandgraph. 10 Marks

Unit 2. Interpretation of Topographical maps and weather maps. 10 Marks

Unit 3. Record of Practical works & Viva. 05 Marks

स्नातक खंड-I राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम पत्र

राजनीतिशास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

(क) राजनीति विज्ञान : प्रकृति और क्षेत्र

1. राजनीति क्या है ?
2. राजनीति की उदार और मार्क्सवादी विचारधारा
3. परम्परागत राजनीति शास्त्र—प्रकृति और क्षेत्र।
4. आधुनिक राजनीति विज्ञान—प्रकृति और क्षेत्र।
5. राजनीति विज्ञान की बाह्य अनुशासनीय (outerdisciplinary) उपागम—अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।
6. राजनीति विज्ञान के अध्ययन की प्रणाली।

(ख) राज्य :

7. परिभाषा और तत्त्व।
8. राज्य की प्रकृति।
9. साध्य लक्ष्य और विवाद।
10. आधुनिक राष्ट्र का उत्थान पतन।

राज्य के कार्य—उदारवाद, समाजवाद और लोक कल्याणकारी राज्य।

(ग) संप्रभुता (Sovereignty)

11. जॉन ऑस्टीन की विचारधारा के विशेष संदर्भ में अद्वैतवाद।
12. लास्की और मेकिवर की विचारधारा के विशेष संदर्भ में बहुलवाद।

(घ) राजनैतिक विचारधारा :

13. कानून।

14. नकारात्मक और सकारात्मक के विशेष संदर्भ में स्वतन्त्रता की उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा।
15. समानता की धारणा—समानता का न्यायिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिकआयाम अधिकार और समानता में संबंध।
16. अधिकार—उदारवादी और मार्क्सवादी विचार के विशेष संदर्भ में अधिकार और अधिकार के सम्बन्ध में लास्की का सिद्धान्त।
17. न्याय—कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में। स्वतन्त्रता, समानता तथा न्याय के मध्य संबंध।

(ङ) प्रजातंत्र (Democracy) :

18. प्रजातंत्र—शास्त्रीय : अनेकतावादी विचारधारा के विशेष संदर्भ में प्रजातंत्र।
19. राजनीतिक दल।
20. दबाव डालने वाला समूह (Pressure Group A)
21. जनमत और प्रतिनिधित्व की प्रणाली

(च) धारणाएँ और सामान्य विचार (Approaches and Concepts) :

22. व्यवहार
23. डेविड ईस्टन का राजनीतिक व्यवस्था सिद्धान्त
24. आमण्ड का संरचनात्मक प्रकार्यवाद उपागम
25. शक्ति, सत्ता औचित्यपूर्णता और राजनीतिक संस्कृति।

(छ) राजनीतिक अनुग्रह और सिद्धान्त (Political obligation and Theories) :

26. व्यक्तिवाद, 27. आदर्शवाद, 28. मार्क्सवाद, 29. प्रजातांत्रिक समाजवाद, 30. फ्रासीवाद,
31. गाँधीवाद।

सहायक पुस्तकें :

1. राजनीतिक सिद्धान्त—डॉ॰ गाँधीजी राय
2. राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त—आशीर्वादम्।

द्वितीय पत्र
तुलनात्मक सरकार और राजनीतिक

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(यू॰ के॰, यू॰ एस॰ ए॰, फ्रांस, स्वीटजरलैंड और रूस के विशेष संदर्भ में)

1. तुलनात्मक सरकार और राजनीति की प्रकृति और सीमा।
2. तुलनात्मक प्रणाली के सिद्धान्त।
3. संविधान पद्धति।
4. राजनीति प्रणाली और राजनीतिक प्रक्रिया।
5. तुलनात्मक राजनीति की उपागम।
6. एकात्मक एवं संघात्मक पद्धति।
7. संसदीय एवं अध्यक्षात्मक पद्धति।
8. अधिकार के वर्गीकरण का सिद्धान्त।
9. व्यवस्थापिका।

10. कार्यपालक प्रणाली।
11. न्याय प्रणाली।
12. संविधान में संशोधन की प्रणालियाँ।
13. दबाव समूह।
14. राजनीतिक दल एवं दलीय प्रणाली।

सहायक पुस्तकें :

1. तुलनात्मक राजनीति—पुखराज जैन
2. तुलनात्मक शासन और राजनीति—डॉ॰ गाँधीजी राय

स्नातक खंड-I राजनीति विज्ञान (सामान्य)
राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(क) राजनीति विज्ञान की प्रकृति एवं क्षेत्र :

1. राजनीति क्या है ?
2. राजनीति की उदार और मार्क्सवादी विचारधारा।
3. परम्परागत राजनीति विज्ञान—प्रकृति और क्षेत्र।
4. आधुनिक राजनीति विज्ञान—प्रकृति और क्षेत्र।
5. राजनीतिक विज्ञान के अध्ययन में अनुशासनात्मक पहुँच और उसका अन्य सामाजिक विज्ञानों में सम्बन्ध।
6. राजनीतिक विज्ञान की अध्ययन प्रणाली।

(ख) राज्य (State) :

7. राज्य की परिभाषा एवं तत्त्व।
8. राज्य की प्रकृति।
9. साधन—उद्देश्य, विवादास्पदता।
10. राज्य के कार्य—उदारवादिता, सामाजिकता और समाज कल्याणकारी राज्य।

(ग) संप्रभुता (Sovereignty) और बहुलवाद (Pluralism)

11. आस्टिन विचारधारा के विशेष संदर्भ में संप्रभुता।
12. लास्की और मैकआईवर के विशेष संदर्भ में अनेकता बहुलवाद (Pluralism)

(घ) राजनैतिक विचारधारा (Political ideas)

13. कानून।
14. **स्वाधीनता (Liberty)**—नकारात्मक और सकारात्मक स्वाधीनता के संदर्भ में। स्वाधीनता की मार्क्सवादी धारणा।
15. **समानता**—समानता का कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिमाण (Dimension), स्वाधीनता और समानता में सम्बन्ध।
16. **अधिकार**—उदार मार्क्सवादी अधिकार के लास्की के सिद्धान्त के विशेष सन्दर्भ में।
17. **न्याय**—कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में।

(ङ) प्रजातंत्र (Democracy)

18. शास्त्रीय अनेकता के विशेष सन्दर्भ में प्रजातंत्र, प्रजातंत्र के सम्बन्ध में लोक समूह (Elitist) और मार्क्सवादी विचारधारा।

19. राजनैतिक दल।
20. दबाव डालनेवाले समूह।
21. चुनाव और प्रतिनिधित्व की प्रणाली।

(च) उपागम और अवधारणा (Approaches and Concepts) :

22. व्यवहार। 23. शक्ति, अधिकार एव यथार्थता।
24. मार्क्सवादी। 25. गाँधीवादी।
26. समाजवाद।

स्नातक खंड-I राजनीति विज्ञान (सहायक)

राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(क) राजनीति विज्ञान की प्रकृति और क्षेत्र :

1. राजनीति क्या है ?
2. परम्परावादी राजनीति शास्त्र—प्रकृति एवं क्षेत्र।
3. आधुनिक राजनीति विज्ञान, प्रकृति और क्षेत्र।
4. राजनीति विज्ञान को अन्तर्अनुशासनीय पद्धति एवं अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध।
5. राजनीति विज्ञान के अध्ययन की मुख्य पद्धति।

(ख) राज्य :

6. परिभाषा एवं तत्व।
7. राज्य की प्रकृति।
8. साध्य-साधन विवाद।
9. राज्य के कार्य—उदारवाद, समाजवाद और लोककल्याणकारी राज्य।

(ग) संप्रभुता और बहुलवाद :

10. जान ऑस्टीन की विचारधारा के विशेष संदर्भ में ब्रह्मवाद।
11. जे॰ लॉस्की एवं आर॰ एम॰ मेकआईवर के विचारधारा के विशेष सन्दर्भ में अनेकतावाद।

(घ) राजनीतिक विचारधारा :

12. कानून।
13. नकारात्मक और सकारात्मक के विशेष संदर्भ में स्वतंत्रता को उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा।
14. समानता—न्यायिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक परिणाम, अधिकार और समानता के सम्बन्ध।
15. अधिकार—उदारवादी और मार्क्सवादी विचार के विशेष संदर्भ में लॉस्की का सिद्धान्त।
16. न्याय—कानूनी, राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में।

(ङ) प्रजातंत्र :

17. शास्त्रीय, अनेकतावादी, लोक समूहवादी और मार्क्सवादी विचारधारा के विशेष संदर्भ में।
18. राजनीतिक दल।
19. दबाव डालने वाला समूह।
20. गाँधीवाद।

B.A.-I इतिहास (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

भारत का इतिहास (पूर्व से 550 AD तक)

1. भारत में सभ्यता की शुरूआत—पूरा पाषाण युग, मध्य पाषाणकाल, नवपाषाण युग और ताम्र पाषाण युग।
2. प्राचीन भारत के इतिहास का साहित्यिक और पुरातात्त्विक श्रोत।
3. हड़प्पा सभ्यता का उदय, स्वरूप, विशेषताएँ शहरों के प्रारूप, सभ्यता के पतन के कारण।
4. वैदिक सभ्यता—ऋग्वैदिक शासन, राज्य, अर्थव्यवस्था और धर्म, बाद के वैदिक सभ्यता में बदलाव।
5. छठी शताब्दी ई॰ पू॰ भारत का राजनैतिक स्थिति, मगध की प्रभुता के क्रमिक विकास और मेसोडोनिया का आक्रमण।
6. भारत में छठी शताब्दी बी॰सी॰ में धार्मिक सुधार आंदोलन, जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का उदय भारतीय इतिहास और संस्कृति में जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का योगदान।
7. मौर्यवंश—उत्पत्ति, चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक की उपलब्धियाँ, विदेशी और धार्मिक नीति, बाद के प्रशासनिक सुधार, मौर्य वंश का पतन।
8. पुष्यमित्र शुंग की उपलब्धियों या उसके सांस्कृतिक विकास (देन)।
9. शकों की भूमिका और योगदान।
10. कुषाण वंश, कनिष्क-प्रथम की उपलब्धियाँ तथा पतन।
11. गुप्त वंश—इतिहास, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुन्द्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, स्कंदगुप्त, गुप्त वंश का पतन, गुप्त काल में प्रशासनिक और सांस्कृतिक सुधार।

स्नातक-खंड-1

इतिहास (प्रतिष्ठा) द्वितीय-पत्र

मध्यकालीन यूरोप का इतिहास

1. रोमन साम्राज्य का पतन—कारण और परिणाम।
2. शार्तमेन की उपलब्धियाँ।
3. सामन्तवाद—उत्पत्ति के कारण, स्वरूप, विशेषताएँ और पतन के कारण।
4. भौगोलिक खोज—प्रकृति और महत्त्व।
5. धर्मयुद्ध का स्वरूप और प्रभाव।
6. पुनर्जागरण—कारण, स्वरूप और महत्त्व।
7. यूरोप में राष्ट्रीय राज्यों का उदय।
8. मध्य यूरोप में शहर और व्यवसाय का विकास।
9. धर्म सुधार के कारण, प्रभाव और स्वरूप।
10. संसद का गठन, इंग्लैंड में राजा का संसद टयुडर काल तक।
11. मध्यकालीन यूरोप में विज्ञान और तकनीकी का विकास।
12. मध्यकालीन यूरोप के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की विशेषताएँ।

स्नातक खण्ड-1

इतिहास (सहायक और सामान्य)

(प्राचीन काल में 1206 AD तक)

1. प्राचीन भारतीय इतिहास का श्रोत।
2. सिंधु घाटी सभ्यता—नगरों का प्रारूप, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक कारण और पतन।
3. पूर्व वैदिक काल में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति।
4. बाद के वैदिक युग में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति में बदलाव।
5. मगध की उत्पत्ति और 16 महाजनपद।
6. सिकन्दर का भारत पर आक्रमण के कारण, परिणाम और स्वरूप।
7. जैन धर्म और बौद्ध धर्म का उदय, महावीर और बुद्ध में जीवन तथा सिद्धांत।
8. मौर्य वंश—चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक के जीवन और उपलब्धियाँ, कलिंग युद्ध, अशोक का धर्म, मौर्य वंश के पतन के कारण।
9. कुषाण और सातवाहन वंश, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
10. गुप्त वंश—समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम, स्वर्णकालीन युग में रूप में गुप्त वंश।
11. हर्षवर्धन की उपलब्धियाँ।
12. सिंध पर अरब का आक्रमण।
13. पल्वों का सांस्कृतिक योगदान।
14. मुहम्मद गजनवी और गौरी के आक्रमण, कारण, परिणाम तथा स्वरूप, तुर्की के भाव में सफलता के कारण।
15. भक्ति आंदोलन का स्वरूप और महत्त्व।

स्नातक खंड-I गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

ग्रुप 'ए' : आहार एवं पोषण

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. **पोषण**—रचना, वर्गीकरण, पोषण की कमी से दिखाई देने वाले चिह्न, खुराक, कार्बोहाइड्रेट्स के दैनिक उपभोग, वसा।
2. **आहार**—वर्गीकरण, अनाज, दाल, सब्जियाँ, फल, दूध और दूध से बने पदार्थ, वसाएँ और तेल, माँस, मछली, अंडा का पोषणमान।
3. **कैलोरी**—परिभाषा, कैलोरी को प्रभावित करने वाले कारक।
4. **संतुलित भोजन**—गर्भावस्था, स्तनपान, बाल्यावस्था, किशोरों एवं वृद्धावस्था के लिए आहार योजना।
5. **भोजन पकाने की विधियाँ**—पोषक शक्ति पर इनके प्रभाव।

ग्रुप 'बी'

1. **मांसपेशियाँ**—बनावट और कार्य।
2. **पाचन प्रक्रिया**—दाँत, घट, छोटी और बड़ी आँत, एन्जाइम (enzime), अवशोषण।
3. **गुर्दा**—बनावट और कार्य।
4. **संचालन प्रक्रिया**—ऊष्मा, रक्त निर्माण, रक्त की कोषिकाएँ, रक्त संचालन।

गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

ग्रुप 'ए' : मातृकला एवं बाल विकास

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. **गर्भावस्था**—संतति जन्म से पूर्व एवं जन्म के पश्चात माँ की देखभाल।
2. परिवार नियोजन।
3. **आहार**—स्तनपान, कृत्रिम पोषण एवं पूरक पोषण, स्तनपान छुड़ाना तथा स्तर प्याजन के पश्चात शिशु का आहार।

ग्रुप 'बी'

1. **शिशु**—0 से 1 वर्ष की आयु के शिशु का शारीरिक, भावात्मक, सामाजिक और भाषिक विकास।
2. **शिशु रोग**—डायरिया, निर्जलीकरण (O.R.S.), पोलियो, छोटी माता, गलसुआ, कुकुर खाँसी, यक्ष्मा, रोहिणी (गले का रोग), रोग मुक्ति।
3. बालक के विकास से पूर्व के वर्ष 2 से 5 और 6 से 11 वर्ष तक के शिशु का शारीरिक, सामाजिक संवेगात्मक, बौद्धिक एवं व्यक्तिगत विकास।
4. विद्यालय काल में सामान्य व्यवहार, समस्या एवं सामंजस्य।

तृतीय-पत्र

प्रायोगिक

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. गर्भवती महिलाओं की आहार योजना एवं 5 वर्षीय बच्चों के लिए दुग्धीय प्रक्रिया, किशोर, कार्यालय कर्मचारी और मजदूर।
2. **पाक कला**—पुलाव, भरी पुड़ी, पकौड़ा, सैंडविच, फ्रूट सलाद, वेजीटेबल कटलट, कोफ्ता, सादा केक, वेरियल बर्फी, आमलेट, अंडे का तरल पदार्थ, चाय और कॉफी।
3. **मातृकला**—0 से 1 वर्ष की आयु के शिशु के वजन एवं लम्बाई का चार्ट, शिशु स्नान, बाल वस्त्र एवं बाल साहित्य का अध्ययन एवं निरोग तालिका।

स्नातक खंड-I गृह विज्ञान (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

ग्रुप 'ए'

(क) आहार और पौष्टिकता

1. **पौष्टिकता**—संगठन, वर्गीकरण, कार्य, कार्बोहाइड्रेट्स की कमी से दिखाई देने वाले चिह्न, श्रोत चर्बी, प्रोटीन, विटामिन, खनिज और जल।
2. भोजन बनाने की विधि—प्रकार, इनके लाभ तथा हानियाँ।
3. अन्न का भंडारण।
4. आहार की बरबादी—भोजन विषाक्तता।

ग्रुप 'बी'

1. गृह व्यवस्था की धारणा का महत्त्व।
2. परिवार की विभिन्न गतिविधियों के लिए कमरे की योजना।
3. शक्ति व्यवस्थापन—कार्य का सरलीकरण।
4. परिश्रम बचत, उपकरण एवं उनके उपयोग।

गृह विज्ञान प्रायोगिक (PRACTICAL)

1. गृह व्यवस्था—रंग, धातुओं की साप्ताहिक सफाई।
2. पाक कला—दही बड़ा, पोलाव, भरी पराठा, कस्टर्ड, आमलेट करी, मालपुआ, हलवा।

स्नातक खंड-I गृह विज्ञान (सहायक)

ग्रुप 'ए' : आहार एवं पोषण

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 75

1. **पोषण**—रचना, वर्गीकरण, कार्बोहाइड्रेट्स के कार्य एवं स्रोत, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज एवं पानी।
2. **आहार**—अनाज का वर्गीकरण एवं दाल, शाग-सब्जियाँ, फल, दूध और दुग्ध पदार्थ, माँस, मछली और अंडे।
3. **संतुलित भोजन**—महत्त्व, किशोरों, गर्भवती स्त्री एवं स्तनपानीय माता के लिए आहार योजना।
4. **भोजन पकाने की विधियाँ**—प्रकार, लाभ एवं हानियाँ।

ग्रुप 'बी' : गृह प्रबन्ध

1. **कमरे की योजना**—घरेलू साज-सज्जा एवं रंग का महत्व।
2. **घर की सफाई**—घरेलू उपकरणों की दैनिक, साप्ताहिक और मौसमी सफाई।
3. **घरेलू अर्थशास्त्र**—बजट, लेखा रचना, बचत तथा व्यय।

गृह विज्ञान प्रायोगिक (PRACTICAL)

1. **पाक कला**—वेजीटेबल कटलेट, केक, सैंडविच, पोलाव, भरी पुरी, वेजीटेबल-करी, कस्टर्ड।
2. **गृह-प्रबन्ध**—रंगचक्र, धातु और चमड़े की सफाई।

स्नातक खंड-I प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(सिन्धु घाटी की सभ्यता से 1200 A.D. तक)

निर्धारित अध्याय :

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धु घाटी की सभ्यता (नगर योजना, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थिति), वैदिक युग (सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थिति)।

छठी शताब्दी में उत्तरी भारत की राजनैतिक परिस्थिति।

मगध साम्राज्य से नन्द तक का उत्थान।

परसीयन और मेसीडोनियन आक्रमण।

मौर्य साम्राज्य :

चन्द्रगुप्त मौर्य का जीवनवृत्त एवं उपलब्धि।

अशोक का कलिंग युद्ध, धम्म और इसका प्रचार।

मौर्य साम्राज्य का पतन—शुंगवंश, सातवाहन, कनिष्क की उपलब्धि।

गुप्त साम्राज्य :

समुद्रगुप्त एवं चन्द्रगुप्त द्वितीय, गुप्त साम्राज्य का पतन।

हर्षवर्द्धन की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

पुलकेशिन द्वितीय की उपलब्धि।

राष्ट्रकूट की उपलब्धि, गोविन्द तृतीय और राष्ट्रकूट का उत्तरी आक्रमण।

राजराज प्रथम और राजेन्द्र चोल की उपलब्धि।

प्राचीन भारतीय इतिहास

द्वितीय-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास (आदिकाल से 647 ई० तक)

ग्रुप 'ए'

सामाजिक इतिहास :

सामाजिक इतिहास के स्रोत, वर्ण एवं जाति व्यवस्था, आश्रम प्रणाली, संस्कार, महिलाओं का क्षति, पुत्रों के प्रकार, गुरुकुल व्यवस्था, शिक्षक और छात्र संबंध, शिक्षा, उद्देश्य और आदर्श दास प्रथा, पृश्यता।

शिक्षण संस्थाएँ—नालन्दा, विक्रमशिला एवं तक्षशीला।

ग्रुप 'बी'

आर्थिक इतिहास

आर्थिक इतिहास के स्रोत, कर, कृषि, संघ, व्यापार और उद्योग, वाणिज्य, जमीन का स्वामित्व।

प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति

स्नातक खंड-I इतिहास (सामान्य एवं सहायक)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

(प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास : सिन्धु घाटी की सभ्यता से 647 ई० तक)

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धु घाटी सभ्यता (लार योजना, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति), वैदिक युग (सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति), छह शताब्दी ईसा पूर्व उत्तरी भारत का राजनीतिक स्थिति, मगध साम्राज्य के नन्द तक का उत्थान, परसिया और मर्सिडोनिया का आक्रमण।

मौर्य साम्राज्य—चन्द्रगुप्त मौर्य का जीवन काल और उपलब्धि, अशोक का कलिग युद्ध, साम्राज्य का विस्तार, धर्म और इसका प्रचार, मौर्य साम्राज्य का पतन, शुंग वंश, सप्तवाहन, कनिष्क का राज्यकाल और उपलब्धि।

गुप्त वंश—समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त, स्कन्धगुप्त, गुप्तवंश का पतन।

हर्षवर्द्धन की उपलब्धि, हर्षवर्द्धन के साम्राज्य का विस्तार, भारत पर हूणों का आक्रमण।

स्नातक खंड-I मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

सामान्य मनोविज्ञान

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछे जायेंगे। पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

1. **प्रणाली**—निरीक्षण, लाभ और सीमाएँ।
   प्रयोग—चर (Variables)—लाभ और सीमाएँ।
2. **तंत्रिका तंत्र तथा स्नायुमंडल**—विभाग, केन्द्रीय स्वचालित, मानव मस्तिष्क की बनावट और कार्य, कार्य के अध्ययन की प्रणाली, वल्कुटीय (cortical) कार्य के सिद्धान्त, केन्द्रित (localisation) और सामूहिक कार्य।

3. **बोध (Perception)**—आचरण और निर्धारण, गेस्टाल्ट (Gestalt) के सिद्धान्त और व्यावहारिक व्यक्तिगत तथा सामाजिक तत्वों के कार्य तथा बोध का दायरा।
4. **सीखना**—सीखने में सीखने की भूमिका, सीखने के प्रभाव (curve) का सिद्धान्त, सम्पर्क सूत्र, समझदारी (insigns) और स्थितिपरक, शास्त्रीय और यात्रक।
5. **स्मरण और विस्मरण**—प्रकृति (Elebanghans and Bartlett) इलीबींगस और बर्टलेट के विचार धारणा शक्ति के तत्व, बीती हुई घटना पर कार्य करना और रुकावट, विस्मरण के सिद्धान्त और प्रकृति।
6. **चिन्तन और उससे संबंधित धारणा**—समस्या समाधान, चिन्तन में संकल्प (set) के भाग भाषा और विचार, केन्द्रीय और परिधीय (घेरा हुआ) सर्जनात्मक चिन्तन के सिद्धान्त।
7. **संवेग (Emotion)**—प्रकति, संवेग की अभिव्यक्ति (Convert and overt) परिवर्तन और प्रकार A.N.S. की भूमिका, वृहद मस्तिष्कीय वल्क (cerebral cortex) हाइपोथैलेमस (Hypothalamus) सिद्धान्त, जेम्स लॉजे, केनन वार्ड का क्रियाशीलन सिद्धान्त।
8. **नियत कर्तव्य (Motivation)**—नियत कर्तव्य और उससे संबंधित धारणा, जरूरत, लक्ष्य और उत्प्रेरण, जैविक तथा सामाजिक नियत कर्तव्य, प्रेरणाओं की माप।
9. **बुद्धि**—प्रकृति, सिद्धान्त, बुद्धि का माप, बुद्धि परीक्षण का लाभ सृजनात्मकता (creativity)।
10. **व्यक्तित्व**—प्रकृति, प्रकार और उनकी पहुँच, निर्धारण—व्यक्तितव का जैविक और सामाजिक माप।

मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)
द्वितीय-पत्र
असामान्य मनोविज्ञान

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्रत्येक पाठ से एक-एक प्रश्न चुने जायेंगे। पाँच प्रश्नों के उत्तर देने है।

1. विषमता (Abnormality) के बारे में विभिन्न विचार, मनोरोग निदान की संक्षिप्त कहानी।
2. मन के आकारात्मक (Topographical) एवं गत्यात्मक (Dunmaic) पहलू (Aspects)।
3. दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ—दिमागी, उलझन और विभिन्न तकनीक, मनोलैंगिक (psychosexual) विकास।
4. **स्वप्न**—स्वप्न के कार्य, फ्रायड (Freud), जग (Jung) और एडलर के सिद्धान्त।
5. **पागलपन** (Neuroses)—पागलपन और मनोविकार (Psychosis) में भेद, चिन्ता (Anxiety) मन स्ताप, मनोग्रस्तता, बाध्यता मनः स्ताप, हिस्टीरिया, मनोस्नायु शैथिल्य (Neurotic depression), नैदानिक (Clinical Picture) एवं कारण।
6. मनोविक्षिप्तता (Psychoses) मानसिक उन्माद (Paranoial), झकीपन (mariac), खिन्नता (Depression) और दिमाग का सृजन (Schizophenia), प्रकार, नैदानिक स्वरूप और कारण।
7. मानसिक विकृतियाँ (Psychopathic disorders), प्रकार, नैदानिक स्वरूप एवं डायनेमिक्स (Dynamics)
8. मनोदैहिक विकास (Psychogomatic disorders), प्रकार, नैदानिक स्वरूप और डायनेमिक्स (Dynamics)।
9. मनोचिकित्सी (Psychotherapy), मनोविश्लेषण, उद्देश्य और उपयोग, समूह और व्यावहारिक चिकित्सा।
10. मानसिक रुकावट (Retardation), परिभाषा (Terminology), शैयाग्रस्त रोगी का वर्गीकरण का कारण और पुनर्स्थापन।

क खंड-I मनोविज्ञान (सामान्य)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सामान्य मनोविज्ञान—प्रत्येक पाठ से एक प्रश्न निर्धारित किये जायेंगे। पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

1. **प्रणाली**—निरीक्षण—लाभ एवं सीमाएँ।
   परीक्षण—परिवर्त्य या चर (variables), लाभ एवं सीमाएँ।
2. **नाड़ी मंडल**—प्रकार, केन्द्रीय और स्वतः चालित नाड़ी मंडल, मस्तिष्क की बनावट और कार्य प्रणाली तथा मस्तिष्क की कार्य प्रणाली को अध्ययन करने का तरीका।
3. **प्रत्यक्षीकरण**—विशेषताएँ, वैयक्तिक एवं सामाजिक कारणों को कार्यकलाप, ज्ञान संबंधी संगठन चिंतन का दायरा।
4. **सीखना**—सीखने पर प्रकृति का प्रभाव, सीखने का चुनाव सिद्धान्त, सम्पर्क, समझदारी और स्थितिपरक शास्त्रीय और यान्त्रिक सिद्धान्त।
5. **स्मरण और विस्मरण**—प्रकृति एवं प्रक्रिया, विस्मरण की प्रकृति एवं भूलने के कारण।
6. **चिन्तन**—चिन्तन और संबंधित तत्व, समस्या समाधान, भाषा और चिन्तन, प्रत्यय (concept) का निर्माण।
7. **संवेग**—प्रकृति, संवेग में शारीरिक परिवर्तन, स्वतंत्र रूप से नाड़ी मडल के संचालन का कर्तव्य एवं हाईपोथेलेमस, जेम्स लैग और कैनन बार्ड का सिद्धान्त।
8. **प्रेरणा**—प्रेरणा एवं संबंधित तत्व आवश्यकता (Need), प्राणोदन (Drive) और प्रोत्साहित, जैविक और सामाजिक प्रेरणा।
9. **वृद्धि**—प्रकृति, बुद्धि का माप, बुद्धि परीक्षण का उपयोग या व्यवहार।
10. **व्यक्तित्व**—प्रकृति, किस्म, शीलगुण, निर्धारक, जैविक तथा सामाजिक माप, साक्षात्कार तथा स्वयं को उपस्थिति करने की तकनीक।

स्नातक खंड-I मनोविज्ञान (सहायक)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सामान्य मनोविज्ञान—सभी पाठ से एक-एक प्रश्न चुनकर दस प्रश्न चुने जायेंगे—जिसमें से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना है।

1. **विषय वस्तु एवं प्रणाली**—परिचय, निरीक्षण एवं परीक्षण—गुण एवं दोष।
2. **नाड़ी मंडल**—प्रकार, संधिस्थल, संपूर्ण या बिल्कुल नहीं का नियम, मस्तिष्क (Brain) की बनावट एवं कार्य।
3. **प्रत्यक्षीकरण**—प्रकृति, विशेषताएँ और प्रक्रिया, जेस्टाल्टवादी विचार।
4. **सीखना**—प्रकृति, सुझाव सिद्धान्त, प्रयोग (Trial) और भूल (Error) का सिद्धान्त, सूक्ष्म और शास्त्रीय संबंधी सिद्धान्त।
5. **स्मरण एवं विस्मरण**—प्रकृति एवं प्रक्रिया, विस्मरण की प्रकृति एवं भूलने के कारण।
6. **चिन्तन**—प्रकृति एवं प्रक्रिया, चिन्तन एवं कल्पना, रचनात्मक चिन्तन।
7. **संवेग**—प्रकृति शारीरिक परिवर्तन, जेम्स-लॉजे एवं कैनन वार्ड का सिद्धान्त।
8. **प्रेरणा**—प्रकृति, प्रकार, Sociogenic & Biogenic motives.
9. **बुद्धि**—प्रकृति एवं बुद्धि, परीक्षण या माप।
10. **व्यक्तित्व**—प्रकृति, प्रकार, शीलगुण, निर्धारक—जैविक और सामाजिक।

स्नातक खंड-I अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

माइक्रो (व्यष्टि) अर्थशास्त्र

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति और सीमा, आर्थिक नियम, व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र, स्टैटिक और डाइनैमिक अर्थशास्त्र।
2. **उपभोक्ता का माइक्रो सिद्धान्त**—उपयोगितावादी विश्लेषण, उदासीन वक्र विश्लेषण, माँग का उपभोक्ताओं की बचत।
3. लागत (Cost) और राजस्व (Revenue) की धारणा, लागत घुमाव और आय घुमाव का विश्लेषण।
4. **उत्पादन प्रक्रिया**—बचत (Return) का नियम, तुल्यता की मात्रा (ISO-quantity)
5. **मूल्य (Price) का सिद्धान्त**—पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण, एकाधिकार (monopoly) और अपूर्ण प्रतियोगिता।
6. **वितरण (Distribution)**—वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त, लगान—रिकार्डो और आधुनिक सिद्धान्त, मजदूरी (Wages)—मजदूरी की मांग और आपूर्ति सिद्धान्त, सामूहिक मोलभाव के अन्तर्गत मजदूरी का निर्धारण, ब्याज (Interest)—ब्याज का शास्त्रीय और अपेक्षाकृत तरलता का सिद्धान्त, लाभ (profit)—नाइट (Knight's) और शूपीटर (Schumpeture) का लाभ-सिद्धान्त।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

द्वितीय-पत्र

मेक्रो (समष्टि) अर्थशास्त्र

समय : घंटे] [पूर्णांक : 100

1. **मुद्रा (Money)**—आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका, मुद्रा का मूल्य, आदान-प्रदान और मुद्रा परिमाण सिद्धान्त का नकद-शेष स्वरूप (Cash balance), आय-व्यय सिद्धान्त, स्फीतिजनक अंतर, लागत वृद्धि स्फीति और माँग प्रेरित स्फीति मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के साथ मौदिक नीति के उद्देश्य।
2. **राष्ट्रीय भाव**—आय निर्धारण के सिद्धान्त, प्रभावकारी माँग का केन्सियन (Keynesian) सिद्धान्त उपभोग किया, विनियोग (Investment) प्रक्रिया।
3. **बैंकिंग (Banking)**—व्यावसायिक बैंकों के सिद्धान्त, साख निर्माण, केन्द्रीय बैंक का कार्य, साख नियंत्रण के तरीके।
4. **अन्तराष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली**—स्वर्णमौन (Gold Standard), IMF (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष), IBRD, IFD (अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम), IDA (अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ) और W.T.O.
5. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार**—आर्थिक विकास में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के परम्परावादी एवं आधुनिक सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ, भुगतान संतुलन एक प्रतिकूल भुगतान संतुलन को सही करने के तरीके।

स्नातक खंड-I अर्थशास्त्र (सामान्य)

MICRO ECONOICS

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति और सीमा, आर्थिक नियम, व्यष्टि (Micro) और समिष्ट (Macro) अर्थशास्त्र।

2. उपयोगितावादी विश्लेषण और उपभोक्ता के व्यवहार का तटस्थ घुमाव का विश्लेषण (Indifference Curve Analysis), माँग का नियम, माँग का लोच, उपभोक्ता की बचत।
3. प्रतिफल के नियम (Laws of Returns), जनसंख्या के सिद्धान्त।
4. लागत एवं राजस्व की धारणा, लागत घुमाव और आय घुमाव का विश्लेषण।
5. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण।
6. वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त।
   लगान—रिकार्डियन और आधुनिक सिद्धान्त।
   मजदूरी—मजदूरी की माँग और पूर्ति सिद्धान्त, सामूहिक सौदेबाजी के अन्तर्गत मजदूरी का निर्धारण।
   ब्याज—ब्याज को शास्त्रीय और ब्याज दर की तरलता का अधिमात्र सिद्धान्त।
   लाभ—नाइट और शपोटर का लाभ सिद्धान्त।

स्नातक खंड-I अर्थशास्त्र (सहायक)

माइक्रो अर्थशास्त्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र।
2. उपयोगिता विश्लेषण, माँग का नियम, माँग की लोच।
3. प्रतिफल के नियम, जनसंख्या के सिद्धांत, लागत विश्लेषण।
4. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत लागत।
5. **राष्ट्रीय आय**—वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त।
   लगान—रिकार्डियन सिद्धान्त।
   मजदूरी—मजदूरी की माँग और पूर्ति संबंधी सिद्धान्त।
   ब्याज—शास्त्रीय और ब्याज दर की तरलता का अधिमान सिद्धान्त।
6. आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका।
7. आदान-प्रदान एवं मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त का नगद शेष स्वरूप।
8. मुद्रा स्फीति—कोर्स और उपचार।
9. व्यावसायिक और केन्द्रीय बैंकों के कार्य।
10. IMF, IBRD के उद्देश्य एवं कार्य।
11. कर निर्धारण के सिद्धान्त।
12. **लोकखर्च (Public expenditure)**—इसके प्रभाव एवं विकास के कारण।
13. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त।
14. मुक्त व्यापार एवं संरक्षण।

स्नातक खंड-I समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

समाजशास्त्र के सिद्धान्त

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. समाजशास्त्र की प्रकृति और सीमा, अन्य सामाजिक विज्ञान में इसके सम्बन्ध—राजनीति अर्थशास्त्र, मानवशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र का उत्थान तथा विकास।
2. सामाजिक समूह (क) परिभाषा, वर्गीकरण (ख) सन्दर्भ (reference) समूह-विचार, परिस्थिति मानवीय-आचरण का प्रभाव।
3. **समाजिक रचना**—विचार और तत्व।
4. **सामाजिक प्रणाली**—कार्य, अकार्य, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव।
5. **संस्कृति**—विचार और तत्व, सांस्कृतिक धरोहर।
6. **सामाजिक नियंत्रण**—विचार, मेकानिज्म और ऐजेन्सियाँ।

7. **परिवार**—परिभाषा, प्रकार, आधुनिक परिवार के कार्य और समस्याएँ।
8. **सामाजिक परिवर्तन**—विचारधारा, तत्व, सीमा रेखा को निर्धारण (demarcation) तक की ओर सांस्कृतिक तत्व और सामाजिक परिवर्तन की मार्क्सवादी विचारधारा।
9. **सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त**—विकासवादी (evolutionary), चक्रीय (cyclic) और द्वन्द्ववा (conflict) सिद्धान्त।
10. सामाजिक तहों का अलगाव (stratification), विचारधारा, आधार और प्रकार,जाति और।
11. **सामाजिक अस्थिरता (mobility)**—परिभाषा, प्रकार और क्रमबद्ध (serial), अस्थिरता, भारतीय सोसाइटी के संदर्भ में।

सहायक पुस्तकें :

1. समाजशास्त्र—जी॰ के॰ अग्रवाल।
2. समाजशास्त्र—गुप्ता और शर्मा।

समाज शास्त्र प्रतिष्ठा

भारतीय समाज और संस्कृति

द्वितीय-पत्र

भारतीय समाज एवं संस्कृति अवधारणा एवं आचरण

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

1. हिन्दी समाज की रूपरेखा, समस्याएँ, विवाह, वर्णाश्रम, संयुक्त परिवार, पुरुषार्थ, कर्म और सरकार।
2. भारतीय जाति प्रणाली—विचारधारा, व्युत्पत्ति, अनोखापन (characteristic) जाति में परिवर्तन, औद्योगिकरण की दृष्टि से जाति और वर्ण, भारतीय प्रणाली में शहरीकरण, सांस्कृतिक और पाश्चात्यता।
3. मुस्लिम परिवार, विवाह, महिलाओं का दर्जा, तलाक।
4. भारतीय समाज पर इस्लाम और पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव।
5. ग्रामवासी—प्रकृति, अनोखापन, ग्राम पंचायत—इसके अतीत और वर्तमान और भविष्य की रूपरेखा, पंचायती राज, उद्देश्य, संगठन और कार्य।
6. अतीत, वर्तमान में भारतीय समाज में महिलाओं का दर्जा।

स्नातक खंड-I समाजशास्त्र (सहायक एवं सामान्य)

प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

समाजशास्त्र के सिद्धांत

1. **परिभाषा और सीमा**—अन्य सामाजिक विज्ञान से सम्बन्ध।
2. **सामाजिक रूप**—अर्थ, आचरण और तत्त्व।
3. **सामाजिक समूह**—अवधारणा, आचरण और वर्गीकरण।
4. **सामाजिक संगठन**—अवधारणा, आचरण, तत्व-सामाजिक संगठन और बिखराव।
5. **संस्कृति**—अवधारणा, तत्व, संस्कृति और सभ्यता।
6. **सामाजिक परिवर्तन**—अवधारणा, आचरण और जैविक तकनीकी तत्व।
7. **परिवार**—प्रकृति, आचरण और कार्य के प्रकार।
8. **सामाजिक प्रणाली**—अवधारणा, आचरण और वर्गीकरण।
9. **सामाजिक नियंत्रण**—प्रकृति, सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता।
10. जाति और वर्ग।

समाजशास्त्र के सिद्धान्त—जी॰ के॰ अग्रवाल, समाजशास्त्र—गुप्ता एवं शर्मा।

B.A. PART-I ENGLISH HONOURS

PAPER-I

B. A. Hons. English course shall be three year course with compulsory privisons requirements for three exams to be conducted each year namely Degree I Exam. Degree II Exam, Degree III (Final) Exams as specified here under :

B. A. Hons. Part I-Exams.

Students admitted to this course shall be required to take exams in first two papers namely English Hons. Paper I & English Hons. Paper II. Exams in both papers shall be of 100 marks and of three hours duration.

PAPER - I

Course content :

1. History of English Literature from Elizabethan to Victorian Age.
2. History of English Language

Scheme of Exam :

1. History of Literature
   Two essay type questions out of six choices — $2 \times 25 = 50$ marks
2. History of Language
   Two short notes out of four choices — $2 \times 15 = 30$ marks
3. Ten objective type questions
   multiple choice type on
   History of Lit./History of Lnaguage — $10 \times 2 = 20$ marks

Total = 100 marks.

Books Recommended :

1. Ifor Evans — History of English Literature
2. Emile Legouis — History of English Literature
3. Compton Rickett — History of English Literature
4. Otto Jesperson — Growth and Structure of English Language
5. A. C. Bough — A History of English Language

PAPER - II

Course content :

1. Chaucer — Prologue to Canterbury Tales
2. Donne — Death be not Proud, Go and Catch a Falling Star, The Sun Rising
3. Milton — Lycidas
4. Pope — Rape of the Lock
5. Keats — The Eve of St. Agnes
6. Arnold — The Scholar Gipsy / Thyrsis

Scheme of Exams :

1. The message for explanation and four choices — $2 \times 10 = 20$ marks
2. Three critical questions out of six choices — $3 \times 20 = 60$ marks
3. Rhetoric (Terms) Objective Type — $2 \times 5 = 10$ marks
4. Prosody — $1 \times 10 = 10$ marks

Total = 100 marks

Books Recommended :

1. M. Boulton — Anatomy of Poetry
2. Cleanth Brooks — Understanding Poetry

B. A. PART-I ENGLISH GENERAL COURSE

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

1. New Golden Treasury—Motilal Banarsidas, Patna
   Pieces prescribed same as prescribed for Subsidiary Course
2. Communicative Grammar—Notions of Time, Articles, Verbs, Use of introductory "it" & "then", comparison
3. Correspondence

Scheme of Exams :

1. Tw passage for explanation out of four choices — 2 × 10 = 20 marks
2. Two critical questions out of four choices— 2 × 20 = 40 marks
3. Two questions on Grammar out of four choices— 2 × 15 = 30 marks
4. Business Letter — 1 × 10 = 10 marks

Total = 100 marks

B. A. PART-I ENGLISH SUBSIDIARY

Course content :

1. New Golden Treasury — Motilal Banarsi Das Patna

Poems prescribed :

- Herbert — Love
- Milton — On His Blindness
- Blake — The Tiger
- Pope — A Little Learning
- Wordsworth — The World is too much
- Keats — Ode to a Nightingals
- Tennyson — Break Break Break
- Auden — Look Stranger

2. Shakespeare—Julius Ceasar
3. Business correspondence
4. Correction of Sentences

Scheme of Exams :

1. Two passages for explanation out of four choices — 2 × 10 = 20 marks
2. Two practical questions out of four choices — 2 × 20 = 40 marks
3. Two business letters — 2 × 15 = 30 marks
4. Five sentences for correction — 5 × 2 = 10 marks

Total = 100 marks

स्नातक खंड-I अनुषांगिक भोजपुरी

भोजपुरी बी॰ ए॰ (प्रतिष्ठा) (भोजपुरी) (सबसिडियरी) के विद्यार्थियन के खातिर जेकर अन्य विषय में प्रतिष्ठा (ऑनर्स) बी ओह लोग खातिर आनुसंगिक विषय के रूप में बी॰ ए॰ प्रथम खंड में एक पत्र और बी॰ ए॰ द्वितीय खंड 2 में दोसर पत्र होई। हर पत्र सौ-सौ अंक के होई। परीक्षा के अवधि तीन घंटा होई।

बी॰ ए॰ खंड-I भोजपुरी (सामान्य एवं सहायक)

अंक विभाजन :

निर्धारित पाठ्यपुस्तकन से आलोचनात्मक प्रश्न 20 × 3 = 60 अंक
सप्रसंग व्याख्या 10 × 3 = 30 अंक
अपठित पद्य के अर्थ 10 अंक
कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. अंजुरीभर गीत (कविता संग्रह)—गणेश दत्त किरण।
   प्रकाशक—पश्चिम बंगाल भोजपुरी परिषद (प्रथम पाँच कविताएँ)
   अथवा, रूक जा बदरा (गीत—कथा-मधुकर सिंह, चेतना प्रकाशन, धरहरा, आरा।
2. **गरावन अबहीं मरल नइखे**—कृष्णानंद कृष्ण।
   (कहानी संग्रह)—भोजपुरी संस्थान, पटना-23 (प्रथम पाँच कहानी)
   अथवा, असमालतन (कहानी संग्रह)—मिथिलेश्वर, रेणु, प्रकाशन, महाराजा हाता, आरा।

एह में खंड 1 आ खंड 2 में 50-50 (पचास-पचास) अंक के भोजपुरी पढ़े के होई। परीक्षा के अवाध डेढ़ घंटा होई।

बी॰ ए॰ खंड-I स्नातक भोजपुरी

अंक विभाजन :

निर्धारित पाठपुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न एवं व्याख्या 20 अंक
निबंध 20 अंक
मुहावरा कहावत 10 अंक
कुल 50 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. सीता के लाल (खंड काव्य)—कुंज बिहारी कुजन।
   अथवा, फांसी (कविता संग्रह)—डॉ॰ चन्द्रधर पाण्डेय (कमल), भोजपुरी प्रकाशन, ग्राम एवं पोस्ट—आशा पडरी।
2. डागा वाज गइल (कहानी संग्रह)—अविनाश चन्द्र विद्यार्थी।
   प्रकाश—अतुल बन्धु, शिवा जी पथ, दरियापुर, पटना-1 अथ्वा, **क्वाछ**—डॉ॰ नर्वदेश्वर राय।

स्नातक खंड-I भोजपुरी (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा) में कुल मिला के आठ पत्र होई—प्रथम खंड (पार्ट-1) में दू पत्र, द्वितीय खंड (पार्ट-2) में दू पत्र या अन्तिम तृतीय खंड (पार्ट-3) में चार पत्र होई। हर पत्र 100-100 अंक के होई परीक्षा तीन घंटा के होई।

निर्धारित ग्रंथ :

1. कविता संग्रह—संपादक : प्रो॰ रामेश्वर नाथ तिवारी, प्रो. गदाधर सिंह
2. निबन्ध संग्रह—सपांदक : प्रो॰ रामेश्वर नाथ तिवारी
3. रेडियो नाटक भोजपुरी—डॉ॰ गुलाब चन्द्र प्रसाद (अभय)

स्नातक खंड-I भोजपुरी (प्रतिष्ठा)

कथा साहित्य

द्वितीय पत्र

निर्धारित ग्रंथ :

1. **कहानी संग्रह**—सम्पादक : प्रो॰ रामेश्वर नाथ तिवारी, सम्पादक : मधुकर सिंह।
2. **करूप कन्या** (उपन्यास)—सत्य नारयण सिंह।

अथवा, राख भउर आग (उपन्यास)—डॉ॰ अरूण मोहन भारवि, अरुणोदय प्रकाशन, शारदा सदन, बक्सर।

3. रावन उवाच (उपन्यास)—गणेश दत्त किरण, भोजपुरी अकादमी, पटना-1
अथवा, महेन्द्र मिधिर—राम नाथ पाण्डेय।

B. A. PART-I PERSIAN HONOURS

PAPER-I

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Books Prescribed : (Poetry)

1. Nasabe-Jadeed Farsi Published by Jaiyed Press, Delhi
The following pules only.
   (a) Hafiz (All Ghazals)
   (b) Ameer Khusro (All Ghazals)
   (c) Quasid-e-Manu Chchri :
      (i) Dar Madho Dabeer Sultan Masood Ghaznavi
      (ii) Dar Modhe All bin Imran
   (d) Qaseeda-e-Qaani (First)
   (e) Rubaiyat-e-Khaiyam (First to fifteenth ony)
   (f) Shahryar
   (g) Bahar
   (h) Rumi (nala-Nai, Rikayet Baggal-o-Tail)

B.A. PART-I PERSIAN HONOURS

PAPER-II

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

PROSE

Books Prescribed :

1. Nasab jadeede farsi (Published by Jaiyed Press, Delhi)
The following pieces are prescribed :
   (a) Zindagi-e-Man
   (b) Sarzamine Hind
   (c) Sarguzasht-e-Haji Baba Asfahani (First three gupters only)
   (d) Jahangirnama
   (e) Dastaan-e-Kotah—(i) Khud Kushi, (ii) Mah-e-Man, (iii) Azan-e-Maghrib, (iv) Janayet-e-Man.

B.A. PART-I PERSIAN GENERAL & SUBSIDIARY

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Distribution of Marks :

1.	Translation of Persian text into Urud	— 25 Marks
2.	Critical questions	— 30 Marks
3.	Explanation	— 20 Marks
4.	Unseen verses for translation into Urdu	— 10 Marks
5.	Composition	— 15 Marks

Book Prescribed for Study :

Nasab-e-Jadid-e-Farsi, Published by Jayed Press, Balimaran, Delhi.

The following pieces are prescribed :

1. Hafiz (First ten ghazals only)
2. Amir Khusro (First ten ghazals only)
3. Rubayiyat-e-Khayam (First 25 Rubayiyat only)
4. The following Poems—(i) Maktabi Hafiz, (ii) Parwane Dar Atish, (iii) Mah-e-Kalisa, (iv) Bahar-e-Tauba Shikan, (v) Barsang-e-Mazaram.

B. A. PART-I URDU HONOURS

PAPER-I

DASTAN AND NOVEL

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

This paper consist of two important Urdu genres i.e. Dastan and Novel. The objectives of this paper is to introduce these genres to the students, their principles, their cultural and historical importance, analytical study of the text.

Books Prescribed :

1.	Bagh-o-Bahar	: Meer Amman Dehlavi
2.	Taubatun Nusooh	: Nazir Ahmad
3.	Hasrat-e-Taameer	: Akhtar Urainvi

PAPER-II

GHAZAL AND NAZM

The Examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to answer FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

This paper consists of two important Urdu poetry genres i.e. Ghazal and Nazm. The topic will be as follows.

Ghazal as a genre, its historical and cultural background, its short history and analytical study of the text.

Nazm as a genre, its evolution, critical and analytical study of the text.

Books Prescribed :

1.	Intekhab-e-Kalain-eMeer (1st 20 Ghazals)	: Maulvi Abdul Haque
2.	Motala-e-Rasikh (1st 20 Ghazals)	: Dr. S. Haseen Ahmad
3.	Bal-e-Jibreel Zauq-o-Shauq, Masjid-Qartaba, Lenin Khuda Ke Huzoor Mein, Farmen-e-Khuda, Jibreel-o-Iblis, Farishton Ka Geet)	: Allama Iqbal
4.	Dast-e-Saba	: Faiz Ahmad Faiz

B.A. PART-I
SUBSIDIARY URDU

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Distribution of Marks :

(a) Critical Question	:	2 × 25 = 50
(b) Explanation	:	1 × 25 = 25
(c) Objective	:	1 × 25 = 25
		Total = 100

The aim and object of this paper is to make the students acquainted with the famous four prose genres with relative texts. At least Ten questions containing all the prescribed genres, books and their authors, will be asked in this paper.The students have to answer any FOUR questions of 25 marks each.

Subject Matter : The definition & sturcture and evolutin of Novel, short story, Drama and Inshaiya.

Books Prescribed :

1. Rustam Sohrab	:	Agha Hashr Kashmiri
2. Umra-o-Jan Ada	:	M. H. Ruswa
3. Wardaat	:	Premchand
4. Mazameen-e-Petras	:	Petras, Bukhari

B.A. PART-I
URDU COMPOSITION
(Arts, Science & Commerce)

Time : 1.30 Hours] [Full Marks : 50

Distribution of Marks :

(a) Objective (10 Question)	:	1 × 10 = 10
(b) Critical Questions	:	1 × 20 = 20
(c) Essay	:	1 × 20 = 20
		Total = 50

The paper will consist of three questions with alternative, one objective of 10 marks, one critical questions from prescribed books of 20 marks and one essay of 20 marks. The students will have to answer all the questions within frame of time.

Books Prescribed :

1. Adbiyat : Published by Aiwan-e-Adab, Patna

Prose :

(a) Rasmo-Riwaj	: Sir Syed Ahmad Khan
(b) Urdu Hindi	: Shiblee Nomani
(c) Swan	: Prem Chand
(d) Mahshar	: Akhtar Urain
(e) Mirza-ke-khatoot	: Mirza Ghalib
Meer Mehdi Ke Nam	

Poetry :

(a) Jalwaye Darbar Delhi—By Akbar Allahabadi
(b) Khak-e-Hindi—By Brij Narain Chakrabarti

(c) Haqeeqat-e-Husn—By Dr. Iqbaal
(d) Mazdoor Talib Ilm—By Ahsan Bin Danish
(e) Payam—By Jamil Mazhari

स्नातक खंड-I प्राकृत (प्रतिष्ठा)
प्रथम-पत्र

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

प्राकृत साहित्य का इतिहास और ऐतिहासिक शिलालेख

(A) प्राकृत साहित्य का इतिहास :

प्राकृत भाषा की उत्पत्ति-विकास—अर्ध मागधी आगम, शौरसेनी आगम, महाराष्ट्री प्राकृत तथा षट्खंडागम साहित्य का सामान्य परिचय। आचार्य कुन्द कुन्द, नेमिचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती, शिवार्य, यति वृषभ, डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री का जीवन समय एवं कर्तव्य।

(B) प्राकृत शिलालेख :

अशोक स्तंभ लेख 1, 2, 3, 4 एवं 7 कक्कुक शिलालेख
अंक निर्धारण—निर्धारित पाठ में अनुवाद (दो)
आलोचनात्मक प्रश्न (एक)
कहायणय अट्ठग—चाणक्क-चंद्रगुत्त कटआणगं नामक पाठ पठनीय।
सम्पादक—डॉ॰ राजाराम जैन एवं डॉ॰ चन्द्रदेव राय।
अंक-निर्धारण—व्याख्यात्मक प्रश्न—8 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न—7 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. प्राकृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास—डॉ॰ जगदीश चन्द्र जैन
3. प्राकृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास—डॉ॰ सी॰ डी॰ राव
4. प्राचीन प्राकृत अभिलेख माला—डॉ॰ हरेन्द्र प्रसाद सिंह
5. प्राच्य भारतीय ज्ञान विज्ञान के महामेरू—आचार्य कुन्दकुन्द, प्रो॰ डॉ॰ राजा राम जैन एवं डॉ॰ विद्यावती जैन।
6. भारतीय लिपि एवं अभिलेख—डॉ॰ चितरंजन प्रसाद सिन्हा।

स्नातक खंड-I प्राकृत (प्रतिष्ठा)
द्वितीय-पत्र
ANCIENT PRAKRIT POETRY & GRAMMAR

सेतुबन्धु महाकाव्य—(प्रथम आश्वास)	... 45
गउउवहो महाकाव्य—(कवि प्रशंसा मात्र)	... 25
व्याकरण—संधि तस्या कारक (आचार्य हेमचन्द्र के सूत्र के आधार पर)	... 30
Marks alloted—Explanation (Two)	... 25
Translation from prescribed lesson (Two)	... 15
Critical question (Two)	... 30
Explanation three sutra from prescribed Grammar Portion	... 30

सहायक ग्रन्थ :

1. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ॰ नामचन्द्र शास्त्री
2. सेतु बन्धु महाकाव्य—संपादक : डॉ॰ राजा राम जैन।
3. सेतुबन्धु महाकाव्य का आलोचनात्मक प्रतिशीलन—डॉ॰ रामजी राय, प्राकृत शोध संस्थान, वैशाली 1987
4. गउउवहो महाकाव्य—डॉ॰ मिथिलेश कुमारी मिश्र
5. गाउउवहो महाकाव्य—संपादक : श्री हृषिवेश तिवारी।

6. वाक् पतिराज को लोकानुभूति—डॉ॰ कमल चन्द्र सौगानी, राजस्थान प्राकृत भारती—जयपुर प्रकाशन।
7. प्राकृत व्याकरण—श्री आत्माराम जैन, मॉडेल स्कूल, 29 डी॰ कमला नगर, देहली-7
8. सिद्ध हेमशब्दानुशासन—डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री।

स्नातक खंड-I प्राकृत (सहायक)

Theree shall be one paper in B.A. Part-I Subsidiary course. The Paper shall be of three hours duration and shall carry 100 marks.

Paper-I History of Poetry, Prakrit Literature and Grammar

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

(A) भविष्यदत्त काव्यं (प्रथम 100 गाथाएँ)—महेश्वर सूरिकृत। ... 40

Marks alloted

Explanations (Two) ... 12

Translation from prescribed lesson (Two) ... 8

Critical Questions (Two) ... 20

(B) History of Prakrit Literature :

अर्ध मागधी आगम साहित्य—(सामान्य परिचय)

शौरसेनी आरण साहित्य—(सामान्य परिचय)

महाराष्ट्री प्राकृत साहित्य—(सामान्य परिचय)

प्राकृत शिलालेखी साहित्य—(सामान्य परिचय)

कन्दकुन्द, नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती, स्वामी कीर्तिकिय, समन्तभद, स्वयंभू, पुष्पदत्त नोमचन्द शास्त्री, हरिभद्र का सामान्य परिचय।

(C) Gramamr (कारक)

सहायक ग्रन्थ

प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री

प्राकृत साहित्य का इतिहास—डॉ॰ जगदीश चन्द्र जैन।

भविष्मदत्त कब्वं—सम्पादक : डॉ॰ राजाराम जैन।

सरल प्राकृत व्याकरण—डॉ॰ राजाराम जैन।

प्राकृत व्याकरण एवं रचना—डॉ॰ चन्द्रदेव एवं डॉ॰ रामजी राय।

प्राव्य भारतीय ज्ञान विज्ञान के महामेरू—आचार्य कुन्दकुन्द, डॉ॰ राजाराम जैन एवं डॉ॰ विद्यावती जैन।

प्राचीन प्राकृत अभिलेख माला—डॉ॰ हरेन्द्र प्रसाद सिंह।

स्नातक खंड-I प्राकृत (सामान्य)

Here shall one paper in B.A., Part-I General Course. The paper shall be of three hours duration I shall carry 100 Marks.

PAPER-I

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

कुमारपाल चरित (प्रथम सर्ग पूर्वार्ध)—टाचार्य हेमचन्द्र कृत. ... 40

भावस्सदत्त कब्वं—(100 गाथाएँ)—महेश्वर सूरिकृत ... 60

Marks alloted—Explanations (Two) ... 30

Translation from prescribed lesson (Two) ... 20

Critical questions (Two) ... 30

Short Notes (Two) ... 20

सहायक ग्रन्थ :

कुमारपाल चरिय—आचार्य हेमचन्द्र

भविष्यदत्त कब्वं—संपादक : डॉ॰ राजाराम जैन

कुमारपाल चरिय—संपादक : डॉ॰ राजाराम जैन

भविसयत कहा तथा अपभ्रंश कथा काव्य—डॉ॰ देवेन्द्र कुमार शास्त्री

■■■